

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम.ए.) बहिःस्थ

परीक्षा: डिसेंबर - २०२३

सत्र ३ रे

विषय: दर्शने - ३ (ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य) (22E335)

दिनांक: १५/१२/२०२३

गुण : १००

वेळ : स. १०.०० ते १.००

सूचना: १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न सोडवणे अनिवार्य.

- प्र. १. प्रश्नद्वयं सविस्तरं लिखत। (३२)
१. जिज्ञासाधिकरणं स्पष्टीकुरुत।
  २. जन्माद्यधिकरणं स्पष्टीकुरुत।
  ३. समन्वयाधिकरणं स्पष्टीकुरुत।
- प्र. २. त्रयाणां व्याख्यानं कुरुत। (३६)
१. ख्यातिपञ्चकम्
  २. चतुर्विधाध्यासः
  ३. साधनचतुष्टयम्
  ४. चतुर्विधं क्रियाफलम्
- प्र. ३. वाक्यद्वयस्य ससंदर्भं स्पष्टीकुरुत। (२०)
१. शास्त्रयोनित्वात्।
  २. अहमिदं ममेदमिति नैसर्गिकोऽयं लोकव्यवहारः।
  ३. तस्मादविद्यावद्विषयाण्येव प्रत्यक्षादीनि प्रमाणानि शास्त्राणि च ।
- प्र. ४. टिप्पणीत्रयं लिखत। (१२)
१. व्याससूत्रस्य नामानि
  २. स्वरूप लक्षणं तटस्थ लक्षणञ्च
  ३. श्रुतहानिः अश्रुतकल्पना
  ४. कूटस्थः

-----